

आईसीएआर-एनआईएनएफटी, कोलकाता ने अपना 85वां स्थापना दिवस मनाया

3 जनवरी, 2023, कोलकाता

आईसीएआर- राष्ट्रीय प्राकृतिक फाइबर इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता ने आज अपना 85वां स्थापना दिवस मनाया।

डॉ एसएन झा, उप महानिदेशक (प्रोसेस इंजीनियरिंग), आईसीएआर और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने आईसीएआर-एनआईएनएफटी के निदेशक और सभी कर्मचारियों की उपलब्धियों के लिए सराहना की। उन्होंने समय के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया और हमारे देश और इसके लोगों के बड़े पैमाने पर विकास के लिए नवीनतम तकनीक और नई पीढ़ी के प्रयास के सहजीवन द्वारा इसका उपयोग करने पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कृषक समुदाय और राष्ट्र के लिए उनके महान योगदान के लिए अपनी सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की।

अपने स्थापना दिवस व्याख्यान में, सहायक महानिदेशक (पीई) डॉ. नरसैय्या कैराम ने संस्थान के कर्मचारियों को उसके 85वें स्थापना दिवस पर बधाई दी और वर्षों से संस्थान की उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुरूप उत्पाद विकास पर भी जोर दिया। उन्होंने उल्लेख किया कि सतत विकास के लिए एआई, आईओटी जैसी तकनीकों का उपयोग आजकल अनिवार्य है और उन्होंने वैज्ञानिकों को अपने शोध में इसे एकीकृत करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इससे पूर्व अपने स्वागत भाषण में डॉ. डी.बी. शाक्यवार, निदेशक, आईसीएआर-एनआईएनएफटी ने संस्थान द्वारा तय की गई उपलब्धियों और समय के साथ असंख्य किसानों और हितधारकों की आजीविका पर इसके प्रभाव का एक रेखाचित्र तैयार किया। उन्होंने स्टाफ के सदस्यों को उनके भारी योगदान के लिए बधाई दी और उन्हें आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए काम करने के लिए प्रेरित किया।

डॉ गौरंगा कार, निदेशक, भाकृअनुपक्रिजाफ, सम्मानित अतिथि, ने भाकृअनुप-निन्फेट के सभी कर्मचारियों को बधाई दी और उनसे जूट के विविध उपयोग को लोकप्रिय बनाने का आग्रह किया। उन्होंने वैज्ञानिकों द्वारा दक्षता और उत्पादन उन्मुख प्रौद्योगिकी विकास पर जोर दिया, जिससे अंततः किसानों को लाभ होना चाहिए।

डॉ. ए. साहू, निदेशक, आईसीएआर-नेशनल रिसर्च सेंटर ऑन कैमल, बीकानेर, सम्मानित अतिथि ने अंतिम उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए अंतर-संस्थागत सहयोग के महत्व पर बात की।

डॉ. शुक्ला, निदेशक आईसीएआर-सिरकॉट ने 85वें स्थापना दिवस पर सभी कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने वैज्ञानिकों से हितधारकों के लिए खुद को समर्पित करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि वैज्ञानिकों को नवीनतम तकनीकों के साथ खुद को अपडेट करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेना चाहिए। इसके साथ ही हमें राजस्व सृजन को भी महत्व देना चाहिए।

कार्यक्रम में वर्ष 2023 के लिए पत्रक, तकनीकी बुलेटिन, समाचार पत्र और प्रशिक्षण कैलेंडर का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों द्वारा संस्थान के कर्मचारियों को 'वर्ष 2022 का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी पुरस्कार' प्रदान किया गया।

स्थापना दिवस कार्यक्रम में पूर्व कर्मचारियों, जूट किसानों, लघु उद्यमियों, जूट मिल कर्मियों और अन्य केंद्रीय और राज्य सरकार के संगठनों के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

डॉ. बी. साहा, प्रधान वैज्ञानिक प्रमुख, गुणवत्ता मूल्यांकन और सुधार प्रभाग और आयोजन समिति के अध्यक्ष ने इस भव्य आयोजन के सफल समापन के लिए सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

डॉ. सेनगुप्ता, प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, मध्य प्रदेश संभाग द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

(स्रोत: आईसीएआर- राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता)

ICAR- NINFET, Kolkata Celebrates its 85th Foundation Day

3rd January, 2023, Kolkata

The ICAR- National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata celebrated its 85th Foundation Day today.

Dr SN Jha, Deputy Director General (Process Engineering), ICAR and Chief Guest of the programme commended the Director and all the staff of ICAR-NINFET for its achievements. He focused on the importance of time and to utilize it by symbiosis of latest technology and effort of new generation for massive development of our nation and its people. He paid his sincere tribute to the farming community and their grate contribution to the nation.

In his foundation day lecture, Dr Narsaiah Kairam, Assistant Director General (PE) congratulated the staff members of the Institute on its 85th Foundation Day and hailed the achievements of the institute over the years. He also emphasized on the product development as per international standard. He mentioned that use of AI, IOT like technologies for sustainable development is compulsory now a days and he encouraged the scientists to integrate it in their research.

Earlier in his welcome address, Dr D.B. Shakyawar, Director, ICAR-NINFET drew a sketch of the milestones travelled by the institute and its impact on the livelihood of innumerable number of farmers and the stakeholders over time. He congratulated the staff members for their huge contribution and motivated them further to work for safer future for the coming generations.

Dr Gouranga Kar, Director, ICAR-CRIJAF, Guest of Honour, congratulated all the staff members of ICAR-NINFET and urged them to popularize diversified use of jute. He stressed upon the efficiency and output-oriented technology development by the scientists which should ultimately benefit the farmers.

Dr. A. Sahoo, Director, ICAR-National Research Centre on Camel, Bikaner, Guest of Honour, talked on the importance of inter-institutional collaboration to achieve the ultimate objective.

Dr. Sukhla, Director ICAR-CIRCOT congratulated all the staff members on the 85th foundation day. He urged the scientists to dedicate themselves for the cause of stakeholders. He also emphasized that scientist should undergo training programmes to make themselves up to date with the latest technologies. Beside this we should also give importance to revenue generation as well.

The programme was also marked with the release of leaflets, technical bulletins, newsletter and training calendar for the year 2023. On this occasion, 'Best employee Award for the year 2022' was conferred to the staff of the Institute by the dignitaries.

The foundation day programme was attended by ex-employees, jute farmers, small scale entrepreneurs, jute mill personnel and participants from other central and state Govt. organizations.

Dr. B. Saha, Principal Scientist Head, Quality Evaluation & Improvement Division and Chairman of the Organizing committee conveyed his sincere gratitude to all the participants for the successful completion of this grand event. The programme ended with vote of thanks by Dr. Sengupta, Principal Scientist and Head, MP Division.

(Source: ICAR- National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata)

कार्यक्रम की झलकियां/ Glimpses of the Programme.



दीप प्रज्वलित करते डॉ एसएन झा/ Dr SN Jha
lighting the lamp



स्थापना दिवस केक काटने की रस्म/ Foundation
Day Cake cutting ceremony



डायस में गणमान्य व्यक्ति/ Dignitaries at Dias



विकसित उत्पाद का विमोचन/ Release of product
developed



डॉ डीबी शाक्यवार द्वारा स्वागत भाषण/ Welcome
Address by Dr DB Shakyawar



डॉ एसएन झा द्वारा भाषण/ Speech by Dr SN Jha



डॉ नरसैय्या कैराम द्वारा स्थापना दिवस
व्याख्यान/ Foundation Day Lecture by Dr Narsaiah
Kairam



सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक के लिए प्रतिष्ठित सी आर नोडर
पुरस्कार डॉ. डी.पी. रे पीएस को प्रदान किया गया/
Prestigious C R Nodder Award for best Scientist
awarded to Dr. DP Ray, PS



सीबीपी डिवीजन के पुनर्निर्मित पायलट प्लांट का
अनावरण/ Unveiling of renovated Pilot Plant of
CBP Division



प्रदर्शनी स्टालों का उद्घाटन/ Inauguration of
Exhibition Stalls

